



उपचुनाव का संदेश : अलर्ट हो जाये भाजपा

■ पुराने नेताओं-कार्यकर्ताओं को तरजीह दे, वरना रिपीट होगा घोसी

■ वोट कम नहीं हुआ, लेकिन विपक्ष का बढ़ जाना चिंता का विषय

तीन दिन पहले छह राज्यों की सात विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव का परिणाम घोषित हुआ। इसमें भाजपा ने तीन सीटें जीतीं, जबकि विपक्ष के हिस्से में चार सीटें जीतीं। सरसरी तौर पर देखने से यहीं लगता है कि उपचुनाव का परिणाम चौकानेवाला नहीं रहा, क्योंकि किसी को न वफा हुआ और न नुकसान। लेकिन जिस तरह भाजपा को यूपी की घोसी सीट पर हार का सामना करना पड़ा, वह उसके अत्यधिक चिंता का विषय है। उपचुनाव ही नहीं, झारखंड की दुमरी सीट पर भाजपा की सहयोगी आजसर पार्टी की हार भी एनडीए गठबंधन के लिए खतरे की घंटी

कहीं जा सकती है। घोसी सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा को उम्मीद थी कि वह इस बार चाहे जिस पर दाव लगा ले, इस सीट को वह जीत ही लेगी, क्योंकि उसके पास ओमप्रकाश राजभर जैसा जीता है और समाजवादी पार्टी से आये दाव सिंह चौहान जैसा प्रत्याशी है, जिसने यांगी लहर के बावजूद 2022 में घोसी सीट सपा के लिए जीती थी। लेकिन परिणाम से साफ

है। इतना ही नहीं, भाजपा को अब पाला बदलनेवाले नेताओं को तरजीह देने की जगह अपने पुराने और समर्पित नेताओं-कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाना होगा। वहीं दुमरी उपचुनाव के नतीजों से यहीं संदेश मिलता है कि भाजपा और आजसर को झारखंड में अभी बहुत काम करना है। एक तो उन्हें आदिवासियों और कुर्मियों का विश्वास तो जितना ही है दूसरा अपने मतदाताओं को भी इंटैक्ट रखना है। मुस्लिम वोट तो खें आदिनडीआइए के साथ है। क्या है इस उपचुनाव के परिणाम का सियासी संकेत, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह



आजाद सिपाही विशेष

तीन दिन पहले छह राज्यों की सात विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव का परिणाम घोषित हुआ। इसमें भाजपा ने तीन सीटें जीतीं, जबकि विपक्ष के हिस्से में चार सीटें जीतीं। सरसरी तौर पर देखने से यहीं लगता है कि उपचुनाव का परिणाम चौकानेवाला नहीं रहा, क्योंकि किसी को न वफा हुआ और न नुकसान। लेकिन जिस तरह भाजपा को यूपी की घोसी सीट पर हार का सामना करना पड़ा, वह उसके अत्यधिक चिंता का विषय है। उपचुनाव ही नहीं, झारखंड की दुमरी सीट पर भाजपा की सहयोगी आजसर पार्टी की हार भी एनडीए गठबंधन के लिए खतरे की घंटी

संपादकीय

जी-20 शिखर सम्मेलन ने दिखाया विश्व रंगमंच पर भारत का उभार

यह देखना दिलचस्प ही नहीं सुखद थी है कि जी-20 का जो दो दिवसीय शिखर सम्मेलन एक बड़ी चुनौती के रूप में समने आ रहा था, आयोजन समाप्त होते तक वह एक उपलब्धि में तब्दील हो गया। ये भी दुनिया की 20 सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्था वाले देशों के राष्ट्राध्यक्षों का मिलन एक बड़ा मौका था और उनके आयोजन से जुड़ी अपनी चुनौतियाँ थीं, लेकिन यूकेन युद्ध के कारण बदलते विशिक समीकरणों ने यह सवाल खड़ा कर दिया था कि इस अंतरराष्ट्रीय मंच की प्राप्तिकरता आगे उस रूप में बढ़ने रह पाएगी या नहीं, जैसी अब तक रही है। ये सवाल तब और गहरे हो गए, जब वहले रूपी राष्ट्रपति व्यावर्गमय पुनिन और पिर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सफाकर दिया कि वे इस शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हो रहे। वही नहीं, रूपी विदेश मंत्री सर्वोंगे लावरोव ने शिखर बैठक शुरू होने से कुछ दिन पहले सार्वजनिक तौर पर कह दिया कि अगर संयुक्त वरक्त्य में यूकेन युद्ध पर रूप के पक्ष का खाला नहीं रखा गया तो वह उसे नामंजूर कर देगा। चीन की तरफ से ऐसा कुछ कहा भले न गया हो, लेकिन वह स्पष्ट था कि वह जी-20 की दिली बैठक को ज्यादा तरज्जु नहीं दे रहा और इस बैठक का यात्रा करना चाहिए।

जी-20 शिखर सम्मेलन की चुनौती अब उपलब्धि में बदल गई है। दिल्ली घोषणा पर सहमति आसान नहीं थी लेकिन भारत ने कर दिखाया। भारत के प्रयासों से अफ्रीकन यूनियन को पूर्ण सदस्य का दर्जा निला।

की ओर देखने लाए थे। लेकिन आखिर तक वह न मानने वाला भारतीय नेतृत्व का ज्यादा ही कहिए कि महोली की प्रतिकूलता के बावजूद नई दिल्ली में तमाम देशों के प्रतिनिधियों के आत ही जी-20 शिखरों और कूटनीतिज्ञों की टीम अलग-अलग उन सबसे बात करने और सहमति की एक साझा जमीन बनाने के प्रयासों में लग गई। राष्ट्र पर चले इन प्रयासों के परिणाम यह रहा कि बैठक के पहले ही दिन प्रधानमंत्री ने दिल्ली में शिखर बैठक में साझा बयान जारी होने के बाद रूप से उसके कुछ दिस्तों पर असहमति दर्ज कर्त्ता थी, लेकिन इस बार उसकी नीतव नहीं आई। हालांकि इस बयान में यूकेन युद्ध को लेकर सोधे तौर पर रूप का जिक्र भले न किया गया हो, यह जरूर कहा गया है कि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल या इसके इस्तेमाल की धमकी अस्वीकर्य होगी। शिखर बैठक की एक और बड़ी उपलब्धि वह रही कि अफ्रीकन यूनियन को पूर्ण सदस्य का दर्जा देकर अब वह यूपी जी-21 हो गया है। इसके पीछे भी भारत के प्रयासों की स्पष्ट भूमिका होगी। तला मिलाकर नई दिल्ली बैठक में जहां वह अंतरराष्ट्रीय मंच पहले से ज्यादा प्राप्तिकर और ज्यादा मजबूत होकर उत्तरा, वर्ती विश्व रंगमंच में भारत की भूमिका भी पहले से अधिक महत्वपूर्ण, अधिक निर्णायक साबित हुई।

अभिमत आजाद सिपाही

11/9 वर्षों याद किया जाना चाहिए, क्योंकि उस दिन भारत के एक युवा सन्यासी ने पश्चिम के सूत-बूट वालों को बौना साबित किया था। क्योंकि उस दिन सनातन दर्शकों को विश्व पटल पर स्थापित किया गया था। सितंबर 11 को न्यूयार्क के लिए नहीं, शिकागो के लिए याद किया जाना चाहिए, क्योंकि उस दिन भारत के एक युवा सन्यासी ने पश्चिम के सूत-बूट वालों को बौना साबित किया था। क्योंकि उस दिन सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर स्थापित किया गया था। सितंबर 11 को न्यूयार्क के लिए नहीं, शिकागो के लिए याद किया जाना चाहिए। अंतक्वाद के लिए नहीं, नंद्रे के लिए याद किया जाना चाहिए।

इतिहास के सबसे चर्चित भाषण की याद

डॉ. पवन सिंह मलिक

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ व्याख्याताओं में से एक, स्वामी विवेकानंद जी के भाषण की तारीख 11 सितंबर। व्याख्या वे भाषण जिसने अमेरिका को नहीं पूरे पश्चिम को भारत का मुरीद बना दिया। नंद्रे नाथ वर्ष तब और गहरे हो गए, जब वहले रूपी राष्ट्रपति व्यावर्गमय पुनिन और पिर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सफाकर दिया कि वे इस शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हो रहे। वही नहीं, रूपी विदेश मंत्री सर्वोंगे लावरोव ने शिखर बैठक शुरू होने से कुछ दिन पहले सार्वजनिक तौर पर कह दिया कि अगर संयुक्त वरक्त्य में यूकेन युद्ध पर रूप के पक्ष का खाला नहीं रखा गया तो वह उसे नामंजूर कर देगा। चीन की तरफ से ऐसा कुछ कहा भले न गया हो, लेकिन वह स्पष्ट था कि वह जी-20 की दिली बैठक को ज्यादा तरज्जु नहीं दे रहा और इस बैठक का यात्रा करना चाहिए।



व्याख्या जिसने अमेरिका को लिए याद किया जाना चाहिए, क्योंकि उस दिन भारत के एक युवा सन्यासी ने पश्चिम के सूत-बूट वालों को बौना साबित किया था। क्योंकि उस दिन सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर स्थापित किया गया था। सितंबर 11 को न्यूयार्क के लिए नहीं, शिकागो के लिए याद किया जाना चाहिए। अंतक्वाद के लिए नहीं, नंद्रे के लिए याद किया जाना चाहिए।

शब्दों के जाह्वार : विवेकानंद के संवाद का ये जाह्वार शब्दों के पीछे छिपी चिर-उत्तरात्म भारतीय तथा व्याख्या तथा का नहीं दिल्ली से जी-20 का कोई संयुक्त वरक्त्य जारी नहीं होता। तमाम प्रेक्षक इस मंच की प्राप्तिकरता और दिल्ली बैठक की साथेकी साबित करने के लिए याद किया जाना चाहिए। लावन के लिए नहीं, नंद्रे के लिए याद किया जाना चाहिए।

शब्दों के जाह्वार : विवेकानंद के संवाद का ये जाह्वार शब्दों के पीछे छिपी चिर-उत्तरात्म भारतीय तथा व्याख्या तथा का नहीं दिल्ली से जी-20 का कोई संयुक्त वरक्त्य जारी नहीं होता। तमाम प्रेक्षक इस मंच की प्राप्तिकरता और दिल्ली बैठक की साथेकी साबित करने के लिए याद किया जाना चाहिए।

त्रिपुरातन समय में तर्क और तथ्य के बिना किसी भी बात को सिर्फ आस्था के नाम पर आज की पीढ़ी के गले नहीं उतारा जा सकता। भारतीय ज्ञान को तर्क के साथ प्रस्तुत करने पर पूरी दुनिया आज उसे स्वीकार करती हुई प्रतीत मी हो रही है। विवेकानंद ने 11 सितंबर 1893 शिकागो भाषण में इस बात को चरितार्थ मी करके दिखाया था।

स्वामी
विवेकानंद
के इस भाषण के
बाद भारत को एक
अनेकी संस्कृति के
देखा जाने
लगा।

पश्चिम में भारत की एक ऐसी छवि बना दी, जो आजादी से पहले और इसके बाद से उसके बाद भी नहीं बनता। इस भाषण से विवेकानंद ने इस भाषण के बाद भारत को एक अनेकी संस्कृति के देखा जाने लगा। अमेरिकी प्रेस ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति के देखा जाने लगा।

अवधिकारी के जाह्वार ने विवेकानंद को उस धर्म संसार की महानामत विवरण के बाद भारत की एक अवधिकारी संस्कृति क

प्रतिबंधित मांस के साथ
दो तस्कर गिरफ्तार

अडकी (आजाद सिपाही)।
अडकी पुलिस ने सोमवार को
पूर्ण नगर गांव से प्रतिबंधित
मांस के साथ दो तस्करों को
गिरफ्तार किया है। उनके पास से
15 किलो प्रतिबंधित मांस और
एक बाइक भी जब दिया गया है।

इस संघर्ष में अडकी के थाना
प्रभारी ने इकबाल हुसैन ने
बताया कि पुलिस को गृह सूचना
मिली थी कि पुराना नगर में
प्रतिबंधित मांस की आपूर्ति करने
के लिए एक व्यक्ति आया हुआ
है। मामले की गोंधली को देखते
हुए खूंटी के अनुमंडल पुलिस
पदाधिकारी अमित कुमार के
निर्देश पर एक छापामरी टीम का
गठन हो गया। जिसने पुराना
नगर से कुछ दूर मोहरा के पास
प्रतिबंधित मांस के साथ सिंकंदर
कालिंदी और बालुदर लोहरा को
रोगहथ दबोच दिया। सिंकंदर
ग्राम डोरे थाना कुवाई
सरायकला खरसावा और बहादुर
अडकी थाना क्षेत्र के ग्राम पूर्णा
नगर का रहने वाला है।

छापामरी दल में थाना प्रभारी

इकबाल हुसैन, पुलिस अवर

निरीक्षक विज्ञु प्रसाद, मनोज

तिकी, उत्तम कुमार, आरशी अमर

सिंह, कृष्ण प्रधान, राजेंद्र सिंह

स्वासी, कृष्ण महतो आदि थे।

विधायक सुदेश महतो ने दिवंगत के परिजनों से
मिलकर सांत्वना दी, श्रद्धांजलि अर्पित की



अडकी (आजाद सिपाही)। खूंटी जिले के अडकी के पूर्व उप-प्रमुख के चेशम चंद्र महतो के पिता दिवंगत सत्यनारायण महतो का निधन 30 अगस्त को हो गई थी। वे अडकी के अपरबालालौंग पंचायत के चैनपुर गांव के रहने वाले थे। निधन की सूचना पाकर सिल्ली विधायक सुदेश महतो सोमवार को उनके पैतृक आवास चैनपुर पहुंच और शोककुल परिवार से मिलकर उन्हें शांत्वना दिया। साथ में तमाड़ के जीप सदस्य विजय सिंह मानकी, अडकी प्रमुख कृष्ण सिंह मुंडा, उलगुलान फाउंडेशन के उपाध्यक्ष रामदुर्लाल सिंह मुंडा, बुद्ध के जिला सदस्य परेशवरी सांडिल, सुनील जयसवाल, आजाद सिंह जिला सदस्य रमेश सिंह मुंडा आदि उपस्थित थे।

हाथियों पर नियंत्रण रखने में वन विभाग विफल
किसानों की फसलें हो रही हैं नष्ट : हरेलाल महतो



कुकड़/तमाड़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत चुनुचुड़िया समेत आसपास के गांवों में दो दिन पहले हाथियों ने जमाने उत्पात मचाया था। अनिवार्य सुबह हाथियों के झुंड ने कई ग्रामीणों की फसल को रोटीकर बर्बाद कर दिया। ग्रामीणों से जानकारी मिलने के बाद आजसू के केंद्रीय सचिव हरेलाल महतो सोमवार को चुनुचुड़िया गांव पहुंचे और उनसे मुलाकात की। इसके बाद ग्रामीणों के रहने वाले गांव में विकास कार्य जीवी से किया जा रहा है। उक्त बातें विधायक विकास कुमार मुंडा ने कहीं। वे सोमवार को तीन करोड़ 50 लाख रुपए से बढ़ने वाले योजनाओं में से बुद्ध प्रखंड के रोटीकर बर्बाद के खुदीमदकम एवं रेलाडीह पंचायत के खुदीमदकम, बाघाडीह, हेठांकांची, बेडाडीह गांव में विकास कार्यक्रम की ओर पेमर ब्लॉक पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। जिला समंदर प्रतिनिधि कुमार महेंद्र नाथ शाहेदव, प्रखंड सांसद प्रतिनिधि की ओर विभिन्न सम्पर्कों के बाद ग्रामीणों ने हाथियों के उत्पात से हो रहे नुकसान पर चिंता व्यक्त की। इस अवसर पर हरेलाल महतो ने कहा कि हाथियों पर नियंत्रण रखना वन विभाग का दायित्व है, लेकिन विभाग विफल है। उन्होंने कहा कि वन विभाग विफल है, वह ग्रामीणों का भला कैसे कर सकता है। हरेलाल महतो ने कहा कि सालभर मेहनत करने के बाद किसानों की फसल वैयक्त होती है, जिसे हाथियों द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। वह सरकार की नाकामी के कारण होती है। किसानों को सुविधा देने के बजाय किसानों को कर्ज में डूबने का काम हो रहा है। इस मौजूदा प्रखंड अध्यक्ष अरुण महतो, बुद्धदेव बर्नर्जी, सुनील महतो, सुकेन महतो, महेंद्र महतो, बुद्धेश्वर महतो, विजु महतो और गुरु चरण महतो आदि मौजूद थे।

आजादिका महिला संकुल सरीरी प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति की वार्षिक आम सभा आयोजित



तमाड़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड सांसद अंतर्गत चुनुचुड़िया समेत आसपास के गांवों में दो दिन पहले हाथियों ने जमाने उत्पात मचाया था। अनिवार्य सुबह ग्रामीणों के झुंड ने कई ग्रामीणों की फसल को रोटीकर बर्बाद कर दिया। ग्रामीणों से जानकारी मिलने के बाद आजसू के केंद्रीय सचिव हरेलाल महतो सोमवार को चुनुचुड़िया गांव पहुंचे और उनसे मुलाकात की। इसके बाद ग्रामीणों से जानकारी मिलने के बाद आजसू के केंद्रीय सचिव हरेलाल महतो सोमवार को चुनुचुड़िया गांव के करीब 20 लोगों को टार्च लाइट, पटाया आदि का वितरण किया। इसके बाद ग्रामीणों के विभिन्न सम्पर्कों पर चर्चा किया। ग्रामीणों ने हाथियों के उत्पात से हो रहे नुकसान पर चिंता व्यक्त की। इस अवसर पर हरेलाल महतो ने कहा कि हाथियों पर नियंत्रण रखना वन विभाग का दायित्व है, लेकिन विभाग विफल है। उन्होंने कहा कि वन विभाग की पार्श्व से जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों का भला कैसे कर सकता है। हरेलाल महतो ने कहा कि सालभर मेहनत करने के बाद किसानों की फसल वैयक्त होती है, जिसे हाथियों द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। वह सरकार की नाकामी के कारण होती है। किसानों को सुविधा देने के बजाय किसानों को कर्ज में डूबने का काम हो रहा है। इस मौजूदा प्रखंड अध्यक्ष अरुण महतो, बुद्धदेव बर्नर्जी, सुनील महतो, सुकेन महतो, महेंद्र महतो, बुद्धेश्वर महतो, विजु महतो और गुरु चरण महतो आदि मौजूद थे।

विधानसभा की लोक लेखा समिति ने खूंटी में की विकास कार्यों की समीक्षा

विकास योजनाओं को समय पर पूरा कराये अधिकारी : नीलकंठ

धरातल पर कियान्वयन की त्वरित विषयादाता



खूंटी। झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति के सभापति और खूंटी के परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद सिपाही

खूंटी परिवर्ती विधायक नीलकंठ मुंडा के बैठक में मौजूद विधायक नीलकंठ मुंडा व अन्य।

आजाद स

